राधा के संग कुंज में | By Dinesh Yaduvanshi |

राधा के संग कुंज में
मुस्काए नंदलाल
हाय री वारी वारी मैं
जोड़ी लगे कमाल

चंदन गुलाल रोली और
मृदमद की लट ललाट
कौस्तुभ प्रकाश चंद्रिका
उस पर मयूर पाख
कंधे पे मेघ छा रहे
अलकावली के बान

कैसे धरूं बांसुरी
कैसे कड़े चढ़ाऊं
पहिनाऊं कैसे मुंदरी
सकुचाऊं डर मैं जाऊं
मखमल से भी कमल से भी
कोमल है तेरी लाल

करुणामयी नयन हैं और
गुल रस रसीले होंठ
कुमुदिनी कली सी नासिका
रंग रंग सजे कपोल
और शंख से घूमे हुए
कुंड सजीले कान

आंखों के रास्ते तुम्हें
दिल में ले आऊं मैं
एक और श्यामली छवि
भीतर भी सजाऊं मैं
छोटे से दिल में आपका
मंदिर बना विशाल

राधा के संग कुंज में
मुस्काए नंदलाल
हाय री वारी वारी मैं
जोड़ी लगे कमाल

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a7%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%b8%e0%a4%82%e0%a4%97-%e0%a4%95%e0%a5%81%e0%a4%82%e0%a4%9c-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-by-dinesh-yaduvanshi/